सरोजनी नगर औद्योगिक क्षेत्र मॉडल बनाया जाएगा

- नगर आयुक्त ने उद्यमियों को आश्वासन दिया
- ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइटें जल्द ठीक होंगी

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र को मॉडल इंडस्ट्रियल एरिया के रूप में विकसित किया जाएगा। ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। यह बात नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कही। वह सोमवार को सरोजनी नगर इंडस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, स्माल इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसआईएमए) और लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

नगर आयुक्त ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम के लिए अतिरिक्त फंड की जरूरत पड़ी तो नगर विकास विभाग से मांग की जाएगी। साफ-सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों का इंतजाम किया जाएगा। टैक्स से जुड़ी समस्या का निराकरण किया जाएगा। इस दौरान नगर आयुक्त ने इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण भी किया और संबंधित अधिकारियों को तत्काल यहां की समस्याओं को हल करने के निर्देश दिए।

पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने कहा कि मेरे कार्यकाल में भी इंडस्ट्रियल एरिया से जुड़ी कई समस्याएं आई थीं। वे आज भी जस की तस हैं। मेरे कार्यकाल में यह आदेश था कि उद्यमियों से जो हाउस टैक्स लिया जा रहा है, उसका 60 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र के विकास में लगाना है, लेकिन कुछ नहीं होता। यूपीसीडा और नगर निगम, दोनों ही उद्यमियों संग बैठें और उन्हें समस्याओं से निजात दिलाएं।

वन्दे भारत के निर्माता ने बढ़ाया उत्साह: वन्दे भारत एक्सप्रेस के निर्माता सुधांशु मणि ने कहा कि एमएसएमई आज हर देश के लिए बहुत जरूरी है। भारत को अगर चीन और जापान की अर्थव्यवस्था को टक्कर देनी है तो एमएसएमई को बढ़ावा देना ही पड़ेगा। हालांकि, सरकार की तरफ से कई ऐसी योजनाएं और नीतियां हैं, जिनसे यह संभव हुआ है कि उद्यमी अपना उद्योग और बढ़ा सकें।

माइक्रो इंडस्ट्री पर ध्यान देने की जरूरत

एसआईएमए के अध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि माइक्रो इंडस्ट्री से जुड़ी इकाइयों के लिए एक अलग सेल बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरोजिनी नगर इंडस्ट्रियल एरिया को एक 'मॉडल इंडस्ट्रियल एरिया' बनाना हमारा उद्देश्य और लक्ष्य है। इस मौके पर सरोजिनीनगर इंडस्ट्रियल एरिया के सचिव रितेश श्रीवास्तव, लघु उद्योग भारती के अरुण भाटिया सहित कई उद्यमी शामिल हुए।